सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

द रुरल कनेक्ट

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

फरवरी 2023 खंड 2 अंक 8 पृष्ठ 8 www.mgncre.org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, हम एक राष्ट्र के रूप में एक साथ, जो कुछ हासिल किया है, उसका जश्न मनाते हैं"
माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भारत के 74वें गणतंत्र दिवस पर उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और यह कहा।

*"जन भागीदारी से, सबके प्रयास से, देश के प्रति अपने कर्तव्यों के पालन से गणतंत्र मजबूत होता है। हम सभी जानते हैं कि 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था में ज्ञान सर्वोपरि है। मुझे विश्वास है कि हमारे इनोवेटर्स और उनके पेटेंट के बल पर भारत के **टेकेड** का सपना जरूर पूरा होगा। इससे हम सभी विश्व स्तरीय तकनीक और अपने देश में तैयार उत्पादों का पूरा लाभ उठा सकेंगे। **जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान" प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी** ने भारत के 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा।*

"74वां गणतंत्र दिवस कई मायनों में खास है। भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं, नारी शक्ति और हमारी सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करते हुए, न्यू इंडिया की भावना को दर्शाते हुए, 'कर्तव्य पथ' पर मार्च करने वाली यह पहली परेड है। यह हमारे बहादुर पुरुषों के बलिदान को याद करने और एक विकसित भारत के लिए हमारी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करने का दिन है। आइए हम सभी एकता और भाईचारे की भावना से निर्देशित रहें" श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री ने दोहराया।

स्रोत: pib.gov.in

महात्मा गांधी के अनुभवात्मक शिक्षण और बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत इसकी गतिविधियों को संरेखित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. आकाशदीप की रोशीनी रही हैं। अब एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुभवात्मक शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता का पर्याय बन गया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. 75वें शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता को भावभीनी श्रद्धांजलि देता है।

कारीगरी (कौशल) और करोबारी (उद्यमिता) को बढ़ावा देने वाली रैंकिंग

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों द्वारा अपनाए जाने वाले सस्टेनेबिलिटी मापदंडों के आधार पर नेशनल इंस्टीट्यूशनल सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग (एन.एस.आई.आर.) की घोषणा की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं! राष्ट्र निर्माण और योगदान की 74 वर्षों की अद्भुत यात्रा!

"एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश के हर राज्य में टीमों का निर्माण किया है"
एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने गणतंत्र दिवस पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम से बात की। *"एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विशेष रूप से एस.सी.ई.आर.टी. के साथ काम किया है, व्यावसायिक शिक्षा, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, छात्र स्वयं सहायता समूहों का निर्माण किया है, पाठ्यक्रम विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया है और व्यावसायिक शिक्षा, ग्रामीण प्रबंधन और सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में योगदान दिया है। अब हमारे पास सभी राज्यों में 600 इंटर्न हैं जो हमारे एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।"*

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय (एम.जी.सी.जी.वी.वी.) और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठों के गठन और कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए। छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन प्राथमिकता है। एम.जी.सी.जी.वी.वी. के वाइस चांसलर प्रो. भरत मिश्रा और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए।

संपादक की टिप्पणी

भारत का 74वां गणतंत्र दिवस वास्तव में हमारी उपलब्धियों का उत्सव है जैसा कि हमारे माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा जोर दिया गया है। मैं हमारे राष्ट्र को गठन करने में संविधान के महत्व को दोहराता हूं। संविधान द्वारा परिभाषित अधिकारों और जिम्मेदारियों को बनाए रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपने संवैधानिक एजेंडे को पूरे जोश के साथ लिया है और ग्रामीण विकास के लिए उच्चतर शिक्षा में हस्तक्षेप के लिए प्रतिबद्ध है। हमने देश भर में नेटवर्क बनाया है और देश के हर राज्य में टीम बना रहे हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विशेष रूप से एस.सी.ई.आर.टी. के साथ काम किया है, व्यावसायिक शिक्षा, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, छात्र स्वयं सहायता समूहों का निर्माण किया है, पाठ्यक्रम विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया है और व्यावसायिक शिक्षा, ग्रामीण प्रबंधन और सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में योगदान दिया है।

जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, "सच्ची शिक्षा को आसपास की परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए। नई तालीम का कार्य किसी व्यवसाय को सिखाना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से संपूर्ण मनुष्य का विकास करना है।" हम महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि, शहीद दिवस पर अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। शिक्षा पर उनके सिद्धांत और विचार एम.जी.एन.सी.आर.ई. की नई तालीम, अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक व्यस्तता, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के साथ जुड़ी गतिविधियों के लिए मार्गदर्शक बल रहे हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने हरित आवरण प्रबंधन, जल संचयन, सौर ऊर्जा उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और जैसे स्थिरता संकेतकों के आधार पर राष्ट्रीय संस्थागत स्थिरता रैंकिंग (एन.आई.एस.आर.) में भाग लेने के लिए एच.ई.आई. को आमंत्रित किया और विभिन्न एस.एस.एच.जी. उद्यमी गतिविधियाँ। कारीगरी (कौशल) और कारोबार (उद्यमिता) को बढ़ावादेने वाली ये रैंकिंग उच्चतर शिक्षा संस्थानों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने और उनकी विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद करेगी।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम ग्रामीण विश्वविद्यालयों को ज्ञान संपर्क के हब के रूप में और सामुदायिक व्यस्तता के लिए एक इंटरफेस के रूप में बढ़ावा दे रही है, जो समावेशी और सतत विकास की दिशा में पिछड़े क्षेत्रों में व्यापक ग्रामीण परिवर्तन में योगदान दे रही है। यह पहल ग्रामीण विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए आवश्यकता-आधारित और मांग-संचालित ग्रामीण उद्यमिता मॉडल की भी पड़ताल करती है।

विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा पर कार्यशालाएं अब विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों के सहयोग से पूरे भारत के विश्वविद्यालयों में आयोजित की जा रही हैं। इस मिशन के तहत अब तक 16 एस.सी.ई.आर.टी. स्तर की कार्यशालाएं और 10 विश्वविद्यालय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। कार्यशालाएं व्यावसायिक घटक के साथ एकीकृत पाठ योजना बनाने में संकाय सदस्यों की क्षमता बढ़ाने के लिए हैं। इसके बाद, लघु अनुसंधान परियोजनाओं को उन संकायों के लिए स्वीकृत किया जाता है जो चार पद्धतियों- भाषा, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और गणित में से एक के लिए आवेदन करते हैं। परियोजना के सफल समापन के लिए शोधकर्ताओं को प्रति पद्धति 20 पाठ योजनाएं विकसित करने की आवश्यकता है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में तैयार की जाने वाली पाठ योजनाएं भविष्य के शिक्षकों के लिए एक संपत्ति होंगी और प्रतिभागी इन पाठ योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मास्टर ट्रेनर बनेंगे। उद्यमिता पर और छात्र स्वयं सहायता समूहों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राज्यों में प्रशिक्षुओं द्वारा कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

सामाजिक और ग्रामीण उद्यम, ग्रामीण उत्पाद, ग्रामीण उत्पादक, एक जनपद एक उत्पाद पर स्क्रिप्ट राइटिंग सहित वीडियो मेकिंग वर्कशॉप में अप्रेंटिस को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षुओं द्वारा निर्मित किए जाने वाले वीडियो ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रबंधन और व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित उद्यमों के साथ ग्रामीण संपर्क पर केंद्रित होंगे। प्रशिक्षु सभी चरणों - प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट-प्रोडक्शन को संभालेंगे।

दो माह के लिए सोशल वर्क इंटर्न के रूप में छह सौ इंटर्न की भर्ती की गई है। उन्हें एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्तियों द्वारा कौशल विकास प्रयोगशालाओं में सलाह और सुविधा प्रदान की जाएगी, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि वे कई कौशल सीखे और उन कौशलों का उपयोग करने की आदतों के साथ अपने 8 सप्ताह के इंटर्नशिप को सफलतापूर्वक पूरा कर रहे हैं। कई वीडियो और व्यक्तिगत इनपुट सुविधा और सलाह गतिविधियों का समर्थन करेंगे।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार

अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई

महात्मा गांधी ने कहा, *"किसी देश में सभी शिक्षा स्पष्ट रूप से देश की प्रगति को बढ़ावा देने के लिए होनी चाहिए"।* हम शिक्षा के लिए महान महात्मा की गहरी दृष्टि और भारत में नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षा के लिए बीज बोने के लिए उन्हें नमन करते हैं। शहीद दिवस, भारत राष्ट्र में 30 जनवरी को 1948 में महात्मा गांधी की हत्या की याद में इस अवसर को मनाया जाता है।

जैसा कि भारत ने कर्तव्य पथ पर अपना 74वां गणतंत्र दिवस मनाया, हमने देश में निर्मित हाई-टेक उपकरणों से लैस सशस्त्र बलों की ताकत देखी। मैं देश को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देने में देश के साथ शामिल हूं! यह दिन उस विशेष दिन को याद करता है जब भारत का संविधान लागू हुआ और पूरे देश में विविधता में एकता का सम्मान करने के मुख्य आदर्श वाक्य के साथ व्यवहार किया गया जिसका देश और इसके लोग प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिक्षा और कौशल विकास साथ-साथ होना चाहिए। यह एन.ई.पी. 2020 का प्रमुख उद्देश्य है। इसे प्राप्त करने का एक तरीका व्यावसायिक शिक्षा के साथ विषय पद्धति को एकीकृत करना है। इस तरह की शिक्षा कार्य शिक्षा कौशल सहित 21वीं सदी के कौशल का निर्माण करती है। विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. की कार्यशालाएं शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा के स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों के एकीकरण के माध्यम से पाठ्यक्रम में बदलाव लाने के लिए हैं।

उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता और कारीगरी दोनों को बढ़ावा देने के लिए छात्र स्वयं सहायता समूहों (एस.एस.एच.जी.) के गठन के लिए बुलाकर उद्यमिता को बढ़ावा देने के एम.जी.एन.सी.आर.ई. के चल रहे प्रयासों ने गति पकड़ी है। 3000 से अधिक एस.एस.एच.जी. का गठन किया गया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा सलाह और सुविधा विधियों द्वारा कौशल प्रयोगशालाओं में 600 प्रशिक्षुओं को उन्मुख करके सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में कौशल का पालन किया जा रहा है। सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग अवार्ड्स सामाजिक और ग्रामीण विकास के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य अनुसंधान को बढ़ावा देंगे।

डॉ. भरत पाठक

उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

कार्यशालाएं

सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में कौशल निर्माण पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इग्नू, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया था, जो 5-7 जनवरी 2023 को सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन (सी.ओ.ई.), नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय कार्यशाला ने मल्टीपल एग्जिट एंड मल्टीपल एंट्री (एम.ई.एम.ई.) 2022 के नेशनल करिकुलर फ्रेमवर्क के संदर्भ में कौशल निर्माण पहलुओं को पेश करके सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में पाठ्यचर्या संबंधी सुधारों को मजबूत करने और लागू करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष के साथ इग्नू के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव

प्रो. (डॉ.) उमा कांजीलाल, पी.वी.सी., इग्नू ने कहा, "एन.ई.पी. एक गेम चेंजर है और यह उच्चतर शिक्षा स्तर पर क्रांति लाएगा। उच्चतर शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग एक पूर्वापेक्षा है और इसीलिए सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच की शुरुआत की है। जब हम कौशल प्रदान करने का प्रयास करते हैं, तो हमें आई.सी.टी. सक्षम और एकीकृत शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम पर जोर देना चाहिए। विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों की आवश्यकता को संबोधित करते हुए सूक्ष्म स्तर की आवश्यकताओं पर ध्यान देने के साथ शिक्षा प्रकृति में समग्र और बहु-विषयक होनी चाहिए। पाठ्यक्रम लचीला होना चाहिए और इसे शिक्षा के ऑनलाइन और दूरस्थ माध्यम को समायोजित करने के लिए भी तैयार किया जाना चाहिए।

डॉ. पूनम गुलालिया (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) ने कौशल एकीकृत सामाजिक कार्य शिक्षा के लिए मसौदा पाठ्यचर्या की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. सौम्या, एसोसिएट प्रोफेसर, इग्नू ने उपस्थित लोगों के लिए कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने दर्शकों को स्कूल ऑफ सोशल वर्क द्वारा दूरस्थ और ऑनलाइन मोड में पेश किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से जोर दिया कि इसका जनादेश आदिवासी, ग्रामीण और शहरी उम्मीदवारों और मूल स्तर के चिकित्सकों तक दूरस्थ/ऑनलाइन मोड के माध्यम से उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए पहुंचना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उच्चतर शिक्षा स्तर पर 50% जी.ई.आर. हासिल करने का एकमात्र तरीका ऑनलाइन और दूरस्थ माध्यम है।

****

विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा

एस.सी.ई.आर.टी. हिमाचल प्रदेश 12-13 जनवरी

स्कूल में एक छात्र के लिए उपलब्ध व्यावसायिक विकल्पों की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए विषय पद्धति में व्यावसायिक शिक्षा पद्धति को एकीकृत करने के उद्देश्य से एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा एस.सी.ई.आर.टी. हिमाचल प्रदेश में विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। ऐसे व्यवसायों का ज्ञान जिसके बारे में छात्र को स्कूल में अवगत कराया जाता है, एक कर्मचारी या नियोक्ता के रूप में उसके भविष्य की संभावनाओं पर उत्प्रेरक प्रभाव डालेगा। डॉ. प्रियव्रत शर्मा (एम.जी.एन.सी.आर.ई. रिसोर्स पर्सन) ने बीस प्रतिभागियों - डाइट, सोलन और एस.सी.ई.आर.टी., हिमाचल प्रदेश के संकाय सदस्यों को कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यशाला के पहले दिन की पहली छमाही में संकाय प्रतिभागियों को विज्ञान (जीव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान), गणित, सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान) पर कक्षा 9 से कक्षा 12 तक की कोई भी पुस्तक चुननी थी। भाषा (संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी) के तरीके। फिर प्रतिभागियों को उनकी पसंद की पुस्तक से पुस्तक में दिए गए सभी अध्यायों से बीस विषयों (और विषय से उप-विषयों) को लेने के लिए कहा गया, और सामग्री विश्लेषण प्रारूप में प्रदान किया गया, बशर्ते कि सामग्री की पहचान और विश्लेषण करना आवश्यक हो। विषय को इस प्रकार चुना कि उसी सामग्री से अधिक से अधिक व्यवसायों का संसाधन किया जा सके। तत्पश्चात्, दिन के दूसरे पहर में, चार पद्धतियों से संबंधित चार समूह तैयार किए गए, जिन्हें उनकी दी गई कार्यप्रणाली से संबंधित सभी विभिन्न संभावित व्यवसायों के बारे में विचार-मंथन, चर्चा करने और सूचीबद्ध करने का समूह कार्य सौंपा गया और उन संभावित व्यवसाय भी जिनसे छात्र अधिकतर अपरिचित हैं लेकिन व्यवहार्य उद्यम या पेशे के लिए तैयार हैं।

दूसरे दिन, प्रतिभागियों ने प्रदान किए गए प्रारूपों पर पाठ योजनाओं का मसौदा तैयार किया। अलग-अलग तरीकों के चार समूहों ने अपनी पसंद की पुस्तक से चुने गए विषय पर अपनी व्यक्तिगत पाठ योजनाएँ (दो प्रत्येक) तैयार करने के लिए एक साथ काम करना जारी रखा, जिसमें पाठ योजना में एक प्रमुख समावेशन शामिल था यानी सामग्री के लिए एक या एक से अधिक व्यवसाय को जोड़ना। इस प्रकार, पाठ योजना का सीखने का परिणाम न केवल सैद्धांतिक अवधारणाओं, कौशल समावेशन और अंतःविषय अवधारणाओं को शामिल करना था, बल्कि दिए गए पाठ से संभावित विभिन्न व्यवसाय/पेशा की एक झलक भी प्राप्त करना था।

दूसरे दिन का दूसरा भाग समूह के सदस्यों द्वारा विकसित पाठ योजनाओं की समूह और व्यक्तिगत प्रस्तुति के लिए समर्पित था, जो एक बहुत ही ज्ञानवर्धक और स्फूर्तिदायक समय था क्योंकि इसमें प्रतिभागियों को सुखद आश्चर्य हुआ कि प्रत्येक कार्यप्रणाली के पाठ्यक्रम में अलग-अलग और समग्र रूप सेव्यवसाय और आजीविका को कैसे एकीकृत किया जा सकता है। दूसरे दिन का समापन सत्र **डॉ. रजनी सांख्यान, प्रिंसिपल, एस.सी.ई.आर.टी. हिमाचल प्रदेश** की अध्यक्षता में हुआ और प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद 9 -10 जनवरी

"व्यावसायिक शिक्षा सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ विशिष्ट व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण है, उदाहरण के लिए, फूलवाले, बटीक, खाना पकाने, बेकिंग, आभूषण बनाने आदि व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने की अनुमति देती है और यह व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत करने के लिए व्यवहार्य है।" **मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. ए. रामकृष्ण ने अपने संबोधन में कहा।**

डॉ. टी मृणालिनी, प्रमुख, डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइफलॉन्ग लर्निंग, और प्रमुख, एजुकेशनल मल्टी-मीडिया रिसर्च सेंटर (ई.एम.एम.आर.सी.) ने साझा किया कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने शिक्षा क्षेत्र में बहुत भिन्नता पैदा किया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने नई तालीम में एन.ई.पी. 2020 से बहुत पहले ही नेतृत्व ले लिया था, और एक राष्ट्र के रूप में चेतना को जड़ों तक वापस लाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अपने भाषण में उन्होंने यह भी कहा कि एन.ई.पी. 2020 एक महान दस्तावेज है और कारीगरों, श्रमिकों के साथ जुड़कर, उद्यमिता से जुड़कर पारंपरिक व्यवसायों को देखते हुए, हमारे प्राचीन ज्ञान को कई अंतर्दृष्टि और बहुत सारे उद्घाटन देता है, जिससे आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने में विभिन्न देशों के आंकड़ों और भारत की स्थिति का उल्लेख किया। दक्षिण कोरिया में 96% और जर्मनी में 72% लोग व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करते हैं जबकि भारत में 12वीं योजना के आंकड़ों के अनुसार केवल 5% लोग ही व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. हर विश्वविद्यालय में हर शिक्षक, हर शिक्षक को छूने और प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है और दुनिया को दिखा रहा है कि हम विश्व गुरु हैं, उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानिया यूनिवर्सिटी के प्राचार्य डॉ. रवींद्रनाथ के मूर्ति ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. का शिक्षा कॉलेजों के साथ व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा (वेंटेल) पर फोकस रहा है और इसने इस पर काफी जागरूकता पैदा की है। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को विभिन्न तरीकों से कैसे एकीकृत किया जा सकता है। उन्होंने दो दिनों के सत्रों का एक अवलोकन साझा किया और खुश थे कि स्थानीय पेशा और व्यवसायों को एकीकृत करने वाले ग्रेड 9 और 10 के लिए पाठ योजना के कौशल इस अनुभवात्मक अधिगम कार्यशाला में निर्मित होने जा रहे थे और प्रतिभागियों से इसका अधिकतम लाभ उठाने और नवाचार पाठ योजनाओं के साथ अग्रसर होने का आग्रह किया।

प्रतिभागियों की संख्या 28 थी और कार्यक्रम का समन्वय डॉ. डी सुनीता, सहायक प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानिया विश्वविद्यालय और एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति श्रीमती पद्मा जुलूरी, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा (वेंटेल) कोऑर्डिनेटर द्वारा किया गया था।

प्रतिभागियों को ग्रेड 9 और 10 के विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, भाषा (अंग्रेजी और तेलुगु) पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए कहा गया था। और उन विषयों/उपविषयों की

पहचान करें जहां एक स्थानीय व्यवसाय या पेशा को एकीकृत किया जा सकता है। यह एक व्यक्तिगत कार्य के रूप में दिया गया था और विषय पद्धतियों में समूह चर्चा के माध्यम से इसे अंतिम रूप दिया गया था। इसके बाद प्रतिभागियों को प्रोफार्मा (अनुलग्नक 1) सौंपा गया और उसे भरने के लिए कहा गया। प्रतिभागियों को कक्षा 9 और 10 के विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा (अंग्रेजी और तेलुगु) पाठ्यक्रम का अध्ययन करने और एकीकृत करने के लिए पाठों की योजना बनाने के लिए कहा गया। ऐसे विषय/उप-विषय जिनमें एक स्थानीय व्यवसाय या पेशा को एकीकृत किया जा सकता है। यह एक व्यक्तिगत कार्य के रूप में दिया गया था और विषय पद्धतियों में समूह चर्चा के माध्यम से इसे अंतिम रूप दिया गया था। इसके बाद प्रतिभागियों को प्रोफार्मा (अनुलग्नक 2) सौंपा गया और इसे भरने के लिए कहा गया। कुल 25 पाठ योजनाएं प्रस्तुत की गईं।

प्रतिभागियों द्वारा सुझाव/फीडबैक (आंशिक अवलोकन)

- ✓ इन योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से स्कूल में शामिल करें ताकि वे व्यावहारिकता और प्रयोज्यता का विश्लेषण कर सकें। साथ ही, यह बेहतर पाठ योजनाएँ लिखने के लिए विचार उत्पन्न करता है।
- ✓ इस कार्यशाला में शुरू की गई प्रक्रिया की निरंतरता।
- ✓ प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग
- ✓ योजना की व्यावहारिकता और प्रयोज्यता को देखने के लिए पाठ योजना लेखकों के लिए मूल स्तर पर एक्सपोजर और बेहतर योजना लिखने के लिए विचार प्राप्त करने का प्रावधान
- ✓ ऐसी और भी कार्यशालाएं
- ✓ विभागवार विचार-मंथन

****

मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर इंफाल 19 - 20 जनवरी

विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला मणिपुर विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी - इम्फाल का आयोजन एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और स्कूल ऑफ एजुकेशन, मणिपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था। भैतिक शिक्षा और खेल विज्ञान मणिपुर विश्वविद्यालय

कांचीपुर। कार्यशाला का विषय व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल और सामुदायिक व्यस्तता के माध्यम से शिक्षक शिक्षा में पाठ्यचर्या सुधारों को मजबूत करना था। डॉ. वी. जानकी तेनेटी, सलाहकार, एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यशाला के लिए सहायक के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. तखेल्लंबम, इनौबी सिंह की उपस्थिति थी, डॉ. दिनेश कुमार सिंह और डॉ. ज्योतिर्मय सिंह, प्रोफ. जीबोनकुमार सिंह, निदेशक कॉलेज विकास परिषद् मणिपुर विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की शोभा बढ़ाई।

कार्यशाला में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया जहां उन्होंने सामग्री विश्लेषण करने और कक्षा 9-12 के विज्ञान, भाषा, सामाजिक विज्ञान और गणित विषयों के लिए पाठ योजना विकसित करने के लिए समूहों में काम किया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. तखेल्लंबम ने किया। इनौबी सिंह, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन मणिपुर यूनिवर्सिटी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मैबाम चौरजीत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, मणिपुर विश्वविद्यालय थे।

****

उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय (एन.बी.यू.) पश्चिम बंगाल 13 - 14 जनवरी

"व्यावसायिक शिक्षा आज के संदर्भ में आवश्यक है और एम.जी.एन.सी.आर.ई. का प्रयास समय पर है" प्रो. ओम प्रकाश मिश्रा, कुलपति, एन.बी.यू., कार्यशाला में मुख्य अतिथि थे। डॉ. रूपनार दत्ता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा, एन.बी.यू. ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और स्वागत भाषण दिया। डॉ. नूपुर दास, रजिस्ट्रार, एन.बी.यू., भी उपस्थित थीं। डॉ. सविता मिश्रा एम.जी.एन.सी.आर.ई. की संसाधन व्यक्ति थीं और उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी साझा किया कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. 12000 से अधिक संस्थागत सेल बनाने, 2.5 लाख छात्रों और 30000 संकाय को शामिल करने में सफल रहा है और भारत के सभी जिलों में उच्चतर शिक्षा संस्थानों को जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया है। प्रतिभागियों ने कक्षा 9-12 से चार विषय पद्धतियों (विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा) द्वारा व्यावसायिक शिक्षा पर सामग्री विश्लेषण और विकसित पाठ योजनाएँ कीं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रस्तावित लघु अनुसंधान परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को उनके द्वारा साझा किए गए विषय की कक्षा 9-12 किताबों का अध्ययन करने, और सामग्री विश्लेषण करने और कुछ स्थानीय आधारित व्यवसायों से जुड़ी पाठ योजनाओं को विकसित करने के लिए कहा गया। यह एक व्यक्तिगत कार्य के रूप में दिया गया था। इसके बाद प्रतिभागियों को प्रोफार्मा सौंप दिया गया और कक्षा 9-12 के 20 अध्यायों और उनकी पसंद के विषय का विश्लेषण करने को कहा गया। प्रतिभागियों को तब विषय पद्धतियों [विज्ञान, गणित, भाषा और सामाजिक अध्ययन] के आधार पर चार टीमों में गठित किया गया था और सामग्री विश्लेषण और लघु अनुसंधान परियोजना पर चर्चा पर मंथन करने के लिए कहा गया था। विषय-पद्धति के आधार पर कुछ सामग्री विश्लेषण और पाठ योजनाएँ व्यक्तिगत रूप से/समूहवार प्रस्तुत की गईं और प्रत्येक समूह द्वारा चार लघु अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए और उन पर चर्चा की गई।

****

12-14 जनवरी को आर.बी. कॉलेज, दलसिंहसराय, समस्तीपुर, बिहार में उद्यमिता पर तीन दिवसीय कार्यशाला

राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती) के उपलक्ष्य में छात्र स्वयं सहायता समूह माह के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए प्राचार्य डॉ. संजय झा की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. महेंद्र झा (माइक्रोबायोलॉजी के प्रख्यात शिक्षाविद), डॉ. संजीव कुमार (मॉडरेटर, स्वीट एंटरप्रेन्योर), और डॉ. धीरज कुमार पांडे (आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक) ने भी कार्यशाला में बात की। प्रोफेसर महेंद्र झा ने माइक्रोबायोलॉजी पर बात की और बताया कि यह औद्योगिक माइक्रोबायोलॉजी की स्थापना में कैसे उपयोगी है और मशरूम, अचार, डेयरी और मत्स्य उद्योग के प्रमुख उद्यमियों का हवाला दिया कि कैसे उन्होंने छोटे स्तर पर शुरुआत की और आज उनका टर्नआउट करोड़ों रुपये में है। श्री संजीव कुमार ने प्रसिद्ध मिठाई "रस कदम्ब" की तैयारी के बारे में बताया। इसे दलसिंगसराय यानी लोकल फॉर वोकल में तैयार किया जाता है। अन्य वक्ताओं ने छात्रों के बीच सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देना और सामाजिक मुद्दों के लिए अभिनव व्यवसाय विषय पर भी बात की। श्री प्रणव कुमार (मोती उद्योगपति), श्री संकेत कुमार (व्यावसायिक उद्यमी) ने मोती की खेती और प्राकृतिक/जैविक खेती की प्रक्रिया की जानकारी दी और व्यावहारिक रूप से छात्रों को सिखाया कि मोती की खेती कैसे शुरू करें और संसाधनों और कच्चे माल को कहां से इकट्ठा करें। कॉलेज ने जैविक खेती के लिए अपना कुछ स्थान भी आवंटित किया और इस अवसर पर दो छात्र स्वयं सहायता समूहों का भी गठन किया गया। सुश्री हनी कुमारी एम.जी.एन.सी.आर.ई. अपरेंटिस ने कार्यशाला का समन्वय किया।

****

एम.जी.एन.सी.आर.ई. परियोजना संकाय, श्री सौरभ शाक्य द्वारा आर.वी. नॉर्थलैंड इंस्टीट्यूट, दादरी, जी.बी. नगर, नोएडा, यू.पी. में **उद्यमिता के महत्व** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, इस कार्यक्रम में संकाय के साथ-साथ

बी.बी.ए. और एम.बी.ए. स्ट्रीम के 60 छात्र शामिल हुए। छात्रों को एम.जी.एन.सी.आर.ई. के विजन और छात्र स्वयं सहायता समूह गठन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। उद्यमिता के महत्व पर द्विपक्षीय चर्चा भी हुई। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर छात्रों को स्वामी विवेकानंद पर एक छोटी सी बात करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आठ प्रतिभागियों को उनके भाषण के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परियोजना संकाय श्री कपिल गर्ग द्वारा 13 जनवरी को शासकीय महाविद्यालय बिरसिंगपुर मध्य प्रदेश में **उद्यमिता** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्रों ने कई चीजें खुद बनाईं और उनके द्वारा बनाए गए स्टॉल में बेचीं। छात्रों ने कई नए कौशल सीखे और नई चीजें बनाने में उनका इस्तेमाल किया। वे कार्यशाला में भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक, अत्यधिक प्रेरित और उत्साहित थे। 5 छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया।

स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) छात्र उद्यमिता के विकास के लिए हैं। अब 3321 एस.एस.एच.जी. का गठन किया गया है जो सक्रिय रूप से उद्यमशीलता और कौशल निर्माण गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

9425402133 | मुलताई रविवार 29 जनवरी 2023

कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण उद्यमी एवं कौशल विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीराजपुर जिला झाबुआ मध्य प्रदेश में किया गया। कार्यशाला को व्यापक प्रेस कवरेज प्राप्त हुआ।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) अजमेर में विषय पद्धति और कौशल विकास द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम - 19 - 20 जनवरी। एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, एस.सी.ई.आर.टी. राजस्थान के **49** प्रतिभागियों की कार्यशाला में पाठ योजना बनाई गई और सामग्री विश्लेषण किया गया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संसाधन व्यक्ति डॉ. अनिल कुमार दुबे ने कार्यक्रम में सत्र लिया, जिसमें समग्र शिक्षा के तहत स्कूली शिक्षा का व्यवसायीकरण - नीतियां और अभ्यास, एन.ई.पी. **2020** के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा की फिर से कल्पना करना, व्यावसायिक शिक्षा, मुद्दे और चुनौतियाँ, और अच्छी प्रथाएँ के कार्यान्वयन में प्रधानाचार्य और शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारियां जैसे विषय शामिल थे।

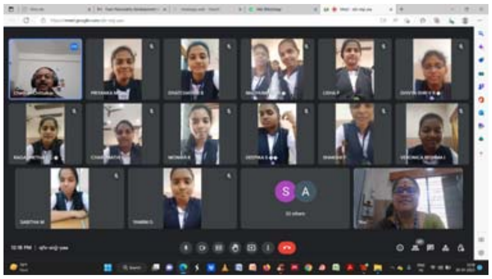

औक्सिलियम कॉलेज (स्वायत्त), वेल्लोर के पी.जी. छात्रों के लिए **'बौद्धिक संपदा अधिकार'** पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित किया गया था। 17 - 21 जनवरी

****

भारत बोध से शिक्षा" (संकाय प्रेरण कार्यक्रम) और "सामुदायिक भागीदारी और एन.ई.पी. - 2020 - "एजुकेट एनकरेज एनलाइटन" - एन.ई.पी. - 2020 का आदर्श वाक्य है। नीति का उद्देश्य भारत के बच्चों को 21वीं सदी के कौशल के साथ तैयार करना है। डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष ने 31 जनवरी को "भारत बोध से शिक्षा" (संकाय प्रेरण कार्यक्रम) और "सामुदायिक भागीदारी और एन.ई.पी. - 2020" पर एक संयुक्त सत्र में मुख्य भाषण दिया, जो सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सी.पी.डी.एच.ई.), यू.जी.सी. - मानव संसाधन विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। डॉ. उमा शंकर पचौरी, राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय शिक्षण मंडल और प्रो. गीता सिंह, निदेशक, सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय ने संयुक्त सत्र में भाग लिया।

महात्मा गांधी ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम - 600 इंटर्न की भर्ती

ग्रामीण संस्थानों को क्षेत्रीय विकास संस्थानों और ग्रामीण विश्वविद्यालयों में विकसित करने के लिए अपने संवैधानिक जनादेश के हिस्से के रूप में, जो ज्ञान सम्बन्ध के हब के रूप में कार्य करेंगे और जहाँ भी संभव हो स्वैच्छिक पहल के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण परिवर्तन के लिए प्रभावी एजेंट के रूप में उभरेंगे, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश की सभी जिलों में 600 इंटर्न का चयन किया है। इंटर्न को स्कूल और शिक्षक शिक्षा में अनुभवात्मक शिक्षा, उच्चतर शिक्षा संस्थानों और ग्रामीण समुदायों में स्वच्छता, भारत से ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण उद्यमिता मामले के अध्ययन सहित क्षेत्रों में उनकी अकादमिक पृष्ठभूमि के अनुसार ग्रामीण चिंताओं पर 20 वीडियो बनाने के लिए उन्मुख किया गया है। इंटर्न व्यक्तिगत कार्य अनुसंधान परियोजना के रूप में अपने कार्यशाला इनपुट के परिणामों का अनुसरण करेंगे, जो इंटर्नशिप में शामिल होने के समय से तीसरे महीने के अंत में प्रस्तुत किया जाएगा। प्रत्येक इंटर्न को कार्यों के बारे में ऑनलाइन उन्मुख किया गया है और उनके कार्य की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंत में उनके द्वारा एक अंतिम इंटर्नशिप रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएंग

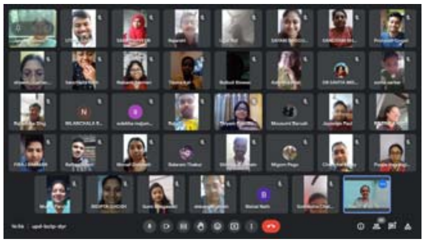

30 जनवरी को शिक्षक शिक्षा पद्धति की पाठ योजनाओं में व्यावसायिक शिक्षा पद्धति के एकीकरण पर पश्चिम और पूर्व क्षेत्र के इंटर्न के साथ ऑनलाइन सुगमपूर्वाभ्यास सत्र

सामाजिक और ग्रामीण उद्यम, ग्रामीण उत्पाद, ग्रामीण उत्पादक और एक जनपद एक उत्पाद पर **वीडियो मेकिंग पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला**। वीडियो ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण प्रबंधन और व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित उद्यमों के साथ ग्रामीण सम्बन्ध पर केंद्रित होंगे। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संसाधन व्यक्ति, प्रो. चेतन चितलकर, श्री नवीन कुमार, सुश्री हरिता सुंदर और डॉ. शरमिला सुतार ने फिल्म निर्माण और पटकथा लेखन पर अपने सत्र दिए। प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट-प्रोडक्शन के चरणों में ग्यारह प्रशिक्षुओं को पटकथा लेखन और वीडियो शूटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

सोशल वर्क इंटर्न्स को सलाह और सुविधा कौशल और कौशल प्रयोगशालाओं के माध्यम से उनके आवेदन पर उन्मुख किया जा रहा है। वे सीखे गए कौशल और उन कौशलों का उपयोग करने की आदतों के साथ अपनी 8 सप्ताह की इंटर्नशिप पूरी करेंगे। सामाजिक कार्य के कौशल और संवादात्मक, सुविधाजनक और समापन कौशल के क्या करें और क्या न करें पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। वीडियो बनाने के दिशा-निर्देश साझा किए गए हैं। संकाय फैसिलिटेटर रोल-प्ले की निगरानी करेंगे और छात्रों को फीडबैक साझा करेंगे और पहचाने गए कौशल पर कौशल वृद्धि पर अनुभव रिपोर्ट साझा करेंगे।

1. प्रत्येक इंटर्न 26 जनवरी से 25 मार्च 2023 तक 8 सप्ताह की इंटर्नशिप में भाग लेगा
2. प्रत्येक इंटर्न एक सप्ताह के समय में 4 रोल प्ले में भाग लेगा जो एक सप्ताह में फैले 24 घंटे के लिए है
3. एक समूह के सभी इंटर्न एक या दो मुद्दों की पहचान करेंगे और 8 सप्ताह की इंटर्नशिप के अंत में प्रस्तुत 15 मिनट के सारांश वीडियो के साथ 5 मिनट का वीडियो बनाएंगे।
4. इंटर्नशिप के अंत में प्रत्येक इंटर्न से 15 मिनट का वीडियो बनाने की अपेक्षा की जाती है
5. रोल प्ले का फोकस कौशल को सीखना, आंतरिक बनाना, प्रदर्शित करना और उस पर महारत हासिल करना है। कौशल तीन प्रकार के होते हैं अर्थात -
ए. पारस्परिक, बी. सुविधाजनक और सी. समापन कौशल।
6. समस्या के आधार पर इंटर्न उन कौशलों की सूची बनाएगा जिनका रोल प्ले में अभ्यास किया जाना है।
7. रोल प्ले छोटे समूहों में किया जाएगा: ट्रायड्स। प्रत्येक ट्रायड में तीन इंटर्न/छात्र शामिल होंगे; एक फैसिलिटेटर के रूप में कार्य करेगा, दूसरा ग्राहक के रूप में और तीसरा वीडियो रिकॉर्डर (पर्यवेक्षक) के रूप में।
8. तीनों के सभी 3 सदस्यों के बीच ग्राहक, सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक की भूमिकाओं के रोटेशन के 3 खंडों के साथ प्रत्येक रोल प्ले 2 घंटे के लिए होगा। उस 1 घंटे में (20 मिनट प्रत्येक रोल प्ले x3) सामाजिक कार्यकर्ता और ग्राहक बातचीत के लिए है। आधा घंटा फैसिलिटेटर (क्लाइंट नहीं) (3x10 मिनट) को फीडबैक देने के लिए है। अगले आधे घंटे का उपयोग अनुभव साझा करने (3x10 मिनट) लिखने के लिए किया जाएगा। यह अनुभव साझा करने वाली रिपोर्ट एम.जी.एन.सी.आर.ई. को प्रस्तुत की जाएगी।
9. 3 इंटर्न के प्रत्येक छोटे समूह का नाम एक कौशल के साथ रखा जाएगा। प्रत्येक समूह को किसी भी समुदाय में उपलब्ध व्यक्तियों, समूहों, समुदायों, संगठनों, विभिन्न आयु समूहों और सामाजिक कार्य के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न मुद्दों की पहचान करनी चाहिए।
10. चौथे सप्ताह के अंत में प्रत्येक इंटर्न को अपनी वीडियो रिकॉर्डिंग के विषय को अंतिम रूप देना चाहिए और एम.जी.एन.सी.आर.ई. को जमा करना चाहिए। 15 मिनट के अलावा बिना किसी ओवरलैप के सीखने का सारांश मौजूद होना चाहिए।
11. इंटर्न से कौशल की कुल सूची और प्रत्येक कौशल के प्रमुख पहलुओं की अपेक्षा की जाती है।

कौशल प्रयोगशालाएँ विशेष रूप से सुसज्जित अभ्यास कक्ष हैं जो वास्तविक जीवन में उपयोग से पहले सामाजिक कार्य कौशल के अभ्यास के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रशिक्षण सुविधा के रूप में कार्य करती हैं। व्यावसायिक सामाजिक कार्य का दायरा उत्तरोत्तर विस्तृत होता जा रहा है जिसमें अभ्यास के नए और कठिन क्षेत्रों को शामिल किया जा रहा है। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में बदलाव के कारण सामाजिक कार्यकर्ताओं की कार्यात्मक भूमिका अब एक नए आयाम में देखी जाती है।

कई कौशल हैं - संबंध निर्माण, विश्वास निर्माण, संवादात्मक और संचार, अभिव्यक्ति, सुनना, जांच करना, सहायक प्रतिक्रिया, समझ प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया, सहानुभूति, प्रतिक्रिया, सम्मान, ईमानदारी (वास्तविकता), सुविधा (ठोस, ए.एफ.आर., चुनौतीपूर्ण नकारात्मक विचार, प्रोत्साहन, समापन, फीडबैक, फॉलो-अप, सारांश, और सुविधा में क्या करें और क्या न करें।

एक वास्तविक दुनिया की सेटिंग में सीखना एक सामाजिक कार्य कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसकी रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है। सामाजिक कार्य शिक्षा में, यह एक पर्यवेक्षित इंटर्नशिप का रूप लेता है जहां छात्र कक्षा ज्ञान को वास्तविक दुनिया की सेटिंग में उपयोग करने के लिए रख सकते हैं।

कौशल प्रयोगशालाओं की प्रगति की झलक

****

ग्रामीण उद्यमों को बढ़ावा देना - वीडियो रिकॉर्डिंग प्रगति पर है - झलक

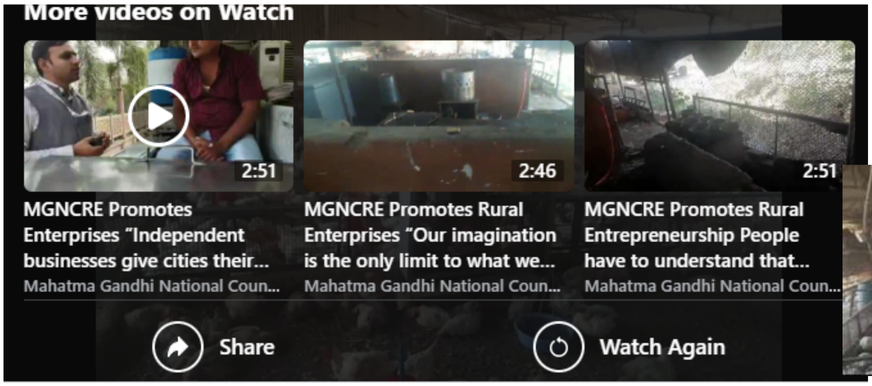

ग्रामीण मुर्गी पालन देश में कृषि विविधीकरण के लिए सबसे आशाजनक आयामों में से एक हो सकता है और यह विशेष रूप से महिला किसानों के लिए रोजगार सुनिश्चित कर सकता है और निरंतर आधार पर पारिवारिक आय में वृद्धि कर सकता है।

पोल्ट्री फार्म का नाम:- इंडियन बी.सी. करधा

ग्राम :- भंडारा
कार्यकर्ता :- 11
जिला:- भंडारा
राज्य:- महाराष्ट्र
एम.जी.एन.सी.आर.ई. वीडियो
- मुर्गी पालन
- मिलिंद उदयसिंह आडे

समीक्षा में उत्तर प्रदेश

उद्यमिता पर जिला स्तरीय कार्यशाला, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया जिला, उ.प्र

शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता विकास पर किया जागरूक

के.बी. पी.जी. कॉलेज मुसफ्फरगंज मिर्जापुर जिला, उ.प्र

ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित कर नवाचार के लिए कर रहे प्रोत्साहित

तिलक धारी पी.जी. कॉलेज जौनपुर जिला, उ.प्र

जौनपुरः टी. डी कालेज में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

बापू महाविद्यालय गाजीपुर जिला, उ.प्र

एमजीएनसीआरई ग्रामीण युवा उद्यमियों के लिए बदलाव करने में सहयोगी

युवाओं के जीवन शैली में सुधार के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-11, चंडीगढ़ महिला उद्यमिता विकास पहल को बढ़ावा देता है

भवन मेहता महाविद्यालय कौशाम्बी जिला, उ.प्र.

लाल बहादुर शास्त्री पी.जी. कॉलेज चंदौली जिला, उ.प्र.

उद्यमिता विकास हेतु निरंतर प्रयास कर रही सरकार

हेमवती नंदन बहुगुणा शासकीय पी.जी. कॉलेज प्रयागराज जिला, उ.प्र

जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यंग विश्वविद्यालय चित्रकूट जिला, उ.प्र

ग्रामीण उद्यमियों को बढ़ावा देना - मुलताई शहर में पशुपालन जिला - बैतूल राज्य - मध्य प्रदेश एम.जी.एन.सी.आर.ई. पोस्टर रिलीज

छात्र स्वयं सहायता समूह माह जनवरी 2023 - कुछ गतिविधियां

सामाजिक उद्यमिता गतिविधियाँ

गतिविधि - एक बाजार ड्राइव का आयोजन करें जहां लोग अप्रयुक्त / अनावश्यक / फालतू चीजें ला सकते हैं (कपड़े जो जरूरतमंदों को वितरित किए जा सकते हैं)

प्रोजेक्ट वार्मथ (विंटर क्लॉथ कलेक्शन ड्राइव): एस.एस.एस.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स फॉर वूमेन, अमृतसर के स्वयं सहायता समूह ने प्रोजेक्ट "वी शेयर वी केयर" के तहत समाज के वंचित सदस्यों को ऊनी कपड़े वितरित करके करुणा की भावना फैलाने का प्रयास किया।

प्रयास और परिणाम: स्वयं सहायता समूह के स्वयंसेवकों ने दिसंबर और जनवरी के कठोर सर्दियों के महीनों के दौरान बेघर और जरूरतमंदों को वितरित करने के लिए छात्रों और कर्मचारियों से सर्दियों के कपड़े, कंबल, रजाई आदि के 550 सामान एकत्र किए। पुरानी पत्रिकाओं और समाचार पत्रों की बिक्री के माध्यम से नकद एकत्र किया गया और प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के बीच वितरण के लिए खाद्य सामग्री भी खरीदी गई।

खादी और हथकरघा को बढ़ावा देना

खादी और हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन चंडीगढ़ की स्वच्छ भारत प्रबंधन (एस.बी.एम.) टीम ने एम.जी.एन.सी.आर.ई., कपड़ा मंत्रालय, खादी इंडिया और श्री गांधी ग्राम उद्योग भवन, मोहाली के सहयोग से एक औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन किया। विभिन्न पर्यावरण के अनुकूल, हर्बल और जैविक उत्पाद जैसे क्रीम, शैंपू, साबुन, तेल, मसाला, टूथपेस्ट, केसर, शहद, लकड़ी के कंघे, सूट, कोट और कई अन्य वस्तुओं को बिक्री के लिए प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने खादी और जूट उत्पादों के साथ हथकरघा उद्योग को बढ़ावा दिया।

सभी शक्ति तुम्हारे भीतर ही है। आप कुछ भी और सब कुछ कर सकते हैं। उस पर विश्वास करो। - स्वामी विवेकानंद

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

मुद्रित और प्रकाशित- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार,
मेसर्स साईं लिखिता प्रिंटर्स पर मुद्रित, #एच.एन.ओ. 6-2-959, डी.बी.हिंदी प्रचार सभा परिसर, खैरताबाद, हैदराबाद-500004, तेलंगाना
#5-10-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान लेन, बैंड कॉलोनी, बशीर बाग, हैदराबाद-500004, तेलंगाना में प्रकाशित
संपादक : डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, सेल: 9849908831, मेल: wgpkncri@gmail.com RNI NO: TELENG/2021/81111